हाथ में नहीं टिकता पैसा तो आजमाएं ये तरीके, होंगे मालामाल

मनी मैनजमेंट

आपको पैसा खर्च करने की आदत है तो ये जानकारियां आपके काम की हो सकती हैं,

1. कमाई कम और खर्च ज्यादा हो तो महीने के अंत में दोस्तों से उधार तक लेने की नौबत आ जाती है। इसलिए अपने खर्च की मॉनीटरिंग करना शुरू करें। इसके लिए अपने खर्चों को दो भागों में बांट दें। पहला आवश्यकतानुसार खर्च करें, दूसरा जो चीजें आप चाहते हैं उसकी लिस्ट बनाएं। इस प्रकार आपको खर्चों को मैनेज करने में मदद मिलेगी।

2. किसी भी नए काम को शुरू करने के लिए धन की जरूरत होती है, लेकिन आप अक्सर अच्छे मुहूर्त की आस में काम शुरू नहीं करते। इससे आपका काम अटका रह जाता है और पैसे भी खर्च हो जाते हैं। ऐसे में जब आपके पास धन हो तभी इन्वेस्ट करें समय बर्बाद न करें।

3. एक दूसरे से आगे निकलने और आकर्षक दिखने के चक्कर में आप अपने खर्चों पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं और लक्जरी लाइफस्टाइल फॉलों करने के लिए कई बार आप कर्ज लेने से भी नहीं हिचकिचाते हैं। ऐसी आदतों से बचें। घर या बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया जाए तो ठीक है।

4. कई लोग बिना जानकारी के स्टॉक मार्केट में पैसा लगा देते हैं जिससे उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ जाता है। अगर आप भी बिना जानकारी के इस तरह पैसा खर्च कर देते हैं तो ये इन्वेस्टमेंट नहीं है। इससे बचें।

5. ये निश्चय कर लें कि हर महीने नियमित तौर पर कमाए हुए धन का कुछ निश्चित हिस्सा बचा कर रखना है। अगर कोशिश करेंगे तो कुछ समय बाद आप महसूस करेंगे कि आपको बचत करने की आदत हो गई है।

6. अगर व्यापार में हैं तो रिस्क लेने से न घबराएं। कई बार रिस्क न लेना ही रिस्क साबित होता है। इसलिए, परिस्थितियों का अच्छे से विश्लेषण करें और अगर आपको लगता है तो इन्वेस्टमेंट जरूर करें।

7. क्रेडिट कार्ड यूज करते हैं और अपने बिल्स या दूसरे ड्यूज को ड्यू डेट के बाद पे करते हैं तो ऐसी आदत से बचें। समय पर ड्यूज को पे करने से फिजूल खर्च करने की आदत से बचेंगे।

8. अगर सिगरेट, शराब या अन्य किसी नशे की लत लगी है तो इनसे बचें, इन पर पैसा खर्च तो होता ही है, साथ ही आपकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए नशे पर खर्च करने की बजाय पैसे जमा करें, जो भविष्य में आपकी जरूरतों में काम आएगा।

घंटों कंप्यूटर पर काम के बाद भी आप रह सकते हैं तरोताजा

स्वास्थ्य

कम्प्यूटर आज की जिंदगी की जरूरत बन गया है। ऑफिर हो या घर हम सब बिना कम्प्यूटर के नहीं जी सकते हैं। यही वजह है कि कम्प्यूटर पर काम करते हुए थकान हो जाने के बावजूद भी कम्प्यूटर पर काम करते रहते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कम्प्यूटर पर काम को जारी रखते हुए किस तरह से हम अपने काम को सौ प्रतिशत दे सकते हैं। अगर आपके साथ भी यही समस्या है कि आप कम्प्यूटर पर बहुत ज्यादा काम के बोझ के कारण होने वाली थकान के चलते ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं तो यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स हम देने जा रहे हैं जिनसे आप कम्प्यूटर पर घंटो काम करने के बावजूद भी खुद को तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

पहली बात यह कि बेवजह कम्प्यूटर का इस्तेमाल न करें।

- कम्प्यूटर पर कार्य करते समय कुर्सी सही डिजाइन की होनी चाहिए।
- कुर्सी में पूरी पीठ हत्थे पर होनी चाहिए ताकि बैठते समय कमर, पीठ और हाथों को सहारा मिले।
- की-बोर्ड और माउस को 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी कोहनी की सीध में रखें, बेहतर होगा की-बोर्ड थोड़ा ढलान पर हों।
- जांघे जमीन के समांतर टखने समकोण पर मुड़े हो, जरूरत पड़ने पर पैरों को फुट रेस्ट सहारा दें।
- कम्प्यूटर पर कार्य करते समय फोन को कंधों और गर्दन से दबाकर बात न करें।
- देर तक टेलीफोन से बात करने के लिए हेडफोन का इस्तेमाल करें।
- कार्य करते समय शरीर ढीला रखें और मन को शांत रखें।
- की-बोर्ड माउस का इस्तेमाल कम करने के लिए आवाज पहचान कर कार्य करने वाले सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- मॉनीटर की चमक, परावर्तन कम करने के लिए एण्टीग्लेमर कोटिंग या ग्लास लगाएं।

इस तरह इस्तेमाल करें व्हाट्स एप व फेसबुक

तकनीक

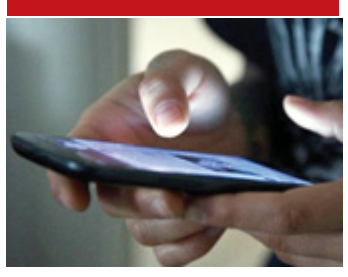

अगर आप लंबे लेख अपने स्मार्टफोन पर नहीं पढ़ते हैं तो कम से कम ट्विटर, व्हाट्स एप और फेसबुक के पोस्ट के लिए तो अपने फोन का ही सहारा लेते ही होंगे। लेकिन अगर आप रात में स्क्रीन पर कुछ पढ़ रहे हैं तो स्क्रीन से निकलने वाली तेज रोशनी आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं इसलिए उसे कम करना बहुत जरूरी है। अगर रात के अंधेरे में आप पढ़ रहे हैं तो स्क्रीन की ब्राइटनेस कम कर दें। एंड्रॉयड स्मार्टफोन में ब्राइटनेस कम करना आसान है। बस स्क्रीन के ऊपर से नीचे की तरफ स्वाइप कीजिए और उसके बाद ब्राइटनेस को कम करना बहुत आसान है। अगर आपके पास आईफोन है, तो उसके लिए उसके सेटिंग्स में जाइए और फिर एक्सेसिबिलिटी सेटिंग में। उसके बाद अगर जूम को ऑन कर लेंगे तो स्क्रीन पर बड़े अक्षरों में पढ़ना बहुत आसान हो जाएगा। उसके बाद तीन उंगलियां इस्तेमाल करके दो बार स्क्रीन पर 'टैप' कीजिए। इसके बाद आपके स्क्रीन पर एक मेन्यू भी दिखाई देगा। वहां पर 'चूज फिल्टर' में 'लो लाइट' चुन लीजिए। बस उसके बाद आपका आईफोन कम लाइट में पढ़ने के लिए तैयार है। इसके लिए एक शॉर्टकट तैयार करने के लिए फिर एक्सेसिबिलिटी सेटिंग में जाइए और फिर एक्सेसिबिलिटी शॉर्टकट चुनिए। वहां पर 'जूम' चुन लीजिए। इसके बाद जब भी अपने होम बटन को आप तीन बार दबाएंगे तो आपका फोन जूम मोड में होगा। उसके बाद तीन बार फिर से होम बटन को दबाएंगे तो अपने रेगुलर मोड में फोन वापस आ जाएगा।

सच्चा और अच्छा मित्र बनना है तो अपनाएं यह गुण

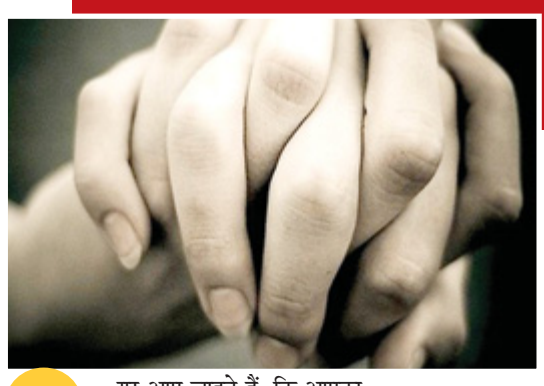

व्यक्तित्व विकास

अगर आप चाहते हैं, कि आपका कोई बहुत अच्छा दोस्त हो, या आप किसी के खास दोस्त बन सकें, तो आपको कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए, जो आपकी दोस्ती की उम्र को बढ़ा देती हैं। जरूर पढ़ें यह खास बातें -

1 दोस्ती के लिए एक बात हमेशा पता होना चाहिए, कि यह रिश्ता विश्वास, प्यार, त्याग और शेयरिंग पर टिका होता है। अगर आप अपने अंदर इन खूबियों को महसूस करते हैं, तो बेशक आपकी दोस्ती लंबी चलने वाली है।

2 देने की कला होने के साथ, पाने की उम्मीद न रखना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि उम्मीद पूरी नहीं होने पर नकारात्मक भावना प्रबल हो जाती है। इसके लिए मानसिक रूप से हमेशा तैयार रहें। 3 खुद से ज्यादा दूसरों को अहमियत दें, इससे आप किसी के लिए में आसानी से जगह बना सकते हैं। इसके साथ ही न कहने का तरीका भी आना चाहिए।

4 मुस्कुराहट को अपने जीवन में स्थान दें। मुसकुराता चेहरा सभी को आकर्षित करता है, और दोस्ती करने के लिए प्रेरित करता है

5 दोस्ती निभाना और विश्वास को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अगर आपको यह कला आती है, तो खूबसूरत दोस्ती के लिए तैयार रहें।

6 अहम को त्यागकर, किसी की भावनाओं को समझना हर किसी के बस की बात नहीं होती। इसके लिए रिश्ता निभाने का जज्बा चाहिए।इस बात का ध्यान रहना चाहिए।

7 हर पल किसी की मदद के लिए तैयार रहना, ईश्वर का एक उपहार है। अगर आपको यह उपहार मिला है, तो उससे अपनी दोस्ती के रि?श्ते के सजाएं।

8 सच्चा दोस्त अपने साथी को हर अच्छाई और बुराई के साथ स्वीकार करता है, आपमें भी यह गुण होन चाहिए, तभी आप एक अच्छे दोस्त बन सकते हैं।

9 सामने वाले के अच्छे गुणों की प्रशंसा की से प्रोत्साहित करना और अवगुणों को शालीनता के साथ समझाना, एक अच्छे दोस्त की पहचान होती है। अगर आप भी ऐसे हैं, तो बेहतर दोस्त हो सकते हैं।

10 हर हाल में दोस्त का साथ देना, और बुरे वक्त में उसका साथ न छोड़ना, यह काम एक सच्चा दोस्त ही कर सकता है। अगर आप यह कर सकते हैं, तो दोस्ती की दुनिया में आपका स्वागत है।

सेल्फी पर ज्यादा लाइक चाहिए, तो 11 तरीके अपनाएं

मोबाइल तकनीक

चल बेटा सेल्फी ले ले रे ....बजरंगी भईजान फिल्म का यह गाना तो आपने सुना ही होगा। सेल्फी यानि फोन के कैमरे से खुद की बेहतरीन फोटो खींचना, जरूर आपकी जिंदगी का भी अहम हिस्सा बन चुका होगा। सोशल मीडिया पर भी आप ऐसी कई तरह की सेल्फी देखते होंगे, जिन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लिहाजा आपके मन में भी तो यह बात आती होगी के आपकी सेल्फी को भी लोग ज्यादा से ज्यादा लाइक करें। आपके मन की इसी को को जानते हुए हम बता रहे हैं, सेल्फी लेने के 11खास तरीके, जिससे आप भी सोशल मीडिया पर छा सकते हैं।

सबसे पहले तो अपने मन से यह बात निकल फेंकिए कि मेकअप करने से सेल्फी ज्यादा अच्छी आएगी या कुछ ही रंगों में आपकी सेल्फी अच्छी आती है...फलां-फलां बातें। अब एक बार यह सोचकर देखिए कि आप सेल्फी को इतनी दिलचस्प कैसे बना सकते हैं, कि लोग उसे देखें और पसंद करें। चलिए इस बारे में बात करते हैं -

1 पहले बात करते हैं समूह सेल्फी की। जब भी आप दोस्तों या परिवार के साथ सामूहिक सेल्फी ले रहे हैं, तो कोशिश कीजिए हर कोई अपने अलग अंदाज में दिखाई दे। सीधे खड़े होकर सेल्फी लेने के बजाए अलग-अलग तरह से खड़े होकर या कुछ लोग बैठकर सेल्फी लें।

2 समूह में सेल्फी लेते समय हर कोई अपने चेहरे पर अलग-अलग गहरे भाव दिखाएगा, तो देखने वाला कुछ देर तक इस तस्वीर को जरूर देखेगा और पसंद भी करेगा।

3 आप अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो अपने दोस्तों से पीछे की तरफ खड़े होकर अलग-अलग या अजीबो-गरीब प्रतिक्रिया देने के लिए कहें। इस तरह से देखने वाला पहले आपकी तस्वीर को देखने पर पीछे के किरदारों को भी ध्यान से देखेगा।

5 अगर आपने कोई नई चीज खरीदी है और उसे सेल्फी के जरिए दुनिया को दिखाना चाहते हैं, लेकि?न यह दिखावा आपको ठीक नहीं लगता तो एक काम कीजिए। आप अपनी इस सेल्फी में अपने किसी खास दोस्त को भी शामिल कर लिजिए। ऐसे में किसी को अंदाजा भी नहीं होगा कि आप दिखावा कर रहे हैं, और लोग आपकी दोस्ती की तस्वीर को पसंद भी करेंगे।

4 अगर आप व्यक्तिगत रूप से अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो इस बात पर ध्यान दें, कि या तो आप खुद को खास तरह से पेश करें या फिर आपके पीछे का क्षेत्र ध्यान खींचने वाला हो।

6 अगर दोस्तों का समूह बना है, और कुछ रोमांचक करना चाहते हैं तो सेल्फी में कुछ अलग करें। आप सभी एक घेरे में खड़े होकर अपने पैरों की सामूहिक तस्वीर ले सकते हैं। इसके बाद सभी दोस्तों को टैग करके यह तस्वीर फेसबुक पर डालें। यह तस्वीर आपको और अन्य लोगों में खुद को एवं एकदूसरे को पहचानने का रोमांच पैदा करेगी।

7 इसी तरह से अगर आप चाहें तो पैरों की जगह हाथ, या सभी के चेहरे का एक तरफा हिस्सा सेल्फी में लें सकते हैं। इस तरह से कई नए तरीके आजमाकर आप अपनी सेल्फी को रोमांचक बना सकते हैं।

8 यह जरूरी नहीं है कि सेल्फी लेते समय आपके चेहरे पर मेकअप लगा हुआ हो। इसकी जगह प्रकृतिक रूप से आप जैसे हैं , उसे ही अपने कैमरे में कैद करें। और मुस्कान के साथ-साथ चेहरे पर अन्य भाव-भंगिमाएं बनाकर देखें। इस तरह से आप सारी तस्वीरों को एक साथ लगा दें। यह जरूर पसंद की जाएगी।

9 यह भी जरूरी नहीं कि सेल्फी के लिए पहले से कोई तैयारी की जाए। आप चाहें हर एक दोस्त के पास जाकर अचानक कोई सेल्फी लें। अपनी भी ऐसे अचानक सेल्फी लें। कई बार अचानक ली गई तस्वीरों में आपके भाव बेहद गहराई लिए होते हैं। इसे लोग तो पसंद करेंगे ही, आप भी कुछ समय बाद देखेंगे तो आपको पसंद आएगी।

10 अगर आपको लगता है कि आपका चेहरे सेल्फी में मोटा या बदसूरत लगता है, तो आप कैमरे को सामने रखने के बजाए, बगल में रखें। दाईं या बाईं ओर से तस्वीर लें। इसो आपका चेहरा मोटा नहीं लगेगा और नैन नक्श साफ तौर पर दिखाई देंगे।

11 सेल्फी को और भी प्रभावी बनाने के लिए आप इसे काले सफेद या अन्य रंगों में बदल सकते हैं। फोन में इसके लिए विकल्प मौजूद होते हैं। आप चाहें तो पूरी तस्वीर को काला-सफेद कर, केवल आंखों और होंठों को रंगने वाला विकल्प आजमा सकते हैं। यह प्रभाव बेहतरीन होगा।

जानिए कैसे मनता है देश में लोकप्रिय हिंदू त्योहार 'दशहरा'

भारत में समय-समय पर विविध सास्कृतिक रंग खिलते हैं। उत्सव से सराबोर इस संस्कृति में भारतीय जनमानस कभी भी झूम उठता है। उसने इसके बहाने भी खोज रखे हैं। उत्सवप्रिय भारत के प्रमुख त्योहारों में दशहरे का भी अपना विशिष्ट स्थान है।

त्योहार

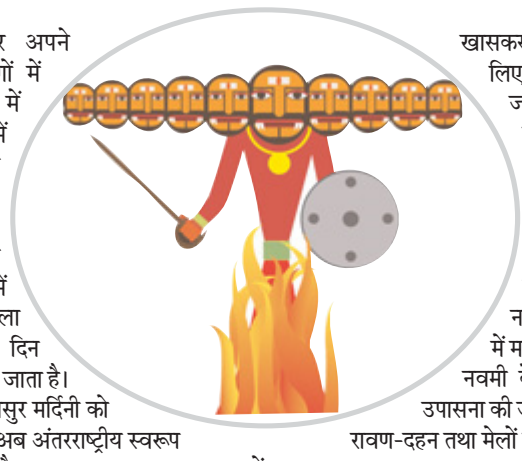

यह त्योहार अपने विविध रंगों में सारे भारत में दिखता है जिनमें सबसे खास रंग कुल्लू, हिमाचल प्रदेश और मैसूर कर्नाटक के हैं। इसके अलावा भी भारत में नौ दिन चलने वाला दुर्गोत्सव दशहरे के दिन अपने चरम पर पहुंच जाता है। मैसूर में तो मां महिषासुर मर्दिनी को समर्पित यह त्योहार अब अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में तब्दील हो चुका है। बस्तर का दशहरा :- बस्तर में दशहरे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व रूप में मानते हैं। मां दंतेश्वरी बस्तर के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही एक रूप हैं। बस्तर में दशहरा का त्योहार श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से किया जाता है।

गुजरात का दशहरा

गुजरात में भी दशहरे को नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां पारंपरिक नृत्य गरबा की धूम होती है। गरबा नृत्य इस उत्सव की शान होता है। इसमें पुरुष एवं स्त्रियां संगीत की लय पर घूम-घूम कर नृत्य करते हैं। देवी मां की आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात चलता है।

महाराष्ट्र में दशहरा

महाराष्ट्र में दशहरे का उत्सव नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित होता है और दसवें दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नए घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। पंजाब का दशहरा :- पंजाब में दशहरा के पर्व को नवरात्रि के नौ दिन के रूप में मनाया जाता है। अष्टमी और नवमी के दिन मां दुर्गा जी की उपासना की जाती है और दशमी के दिन रावण-दहन तथा मेलों का आयोजन होता है।

बंगाल, ओडिसा और असम का दशहरा

यहां यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। संपूर्ण बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिसा व असम में इसे चार दिन तक मनाया जाता है। यहां देवी दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती है और भव्य सुशोभित पंडालों में स्थापित की जाती है। षष्ठी के दिन दुर्गा जी का पूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। इसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा पूजा होती है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, और एक दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। एक प्रकार से सिंदूर की होली खेली जाती है, इसके पश्चात देवी की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है।

तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश,कर्नाटक का दशहरा

देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडु आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों का मनाया जाता है। देवी लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा की जाती है। यहां दशहरा शिक्षा या कोई भी नया कार्य जैसे संगीत और नृत्य सीखने के लिए शुभ समय होता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है।

दिवाली साजसज्जा : कैसे करें घर का कायाकल्प

अगर आप अपने सिटिंग अरेंजमेंट या फिर कमरों के एक जैसे इंटीरियर से ऊब गए हैं और इसमें कुछ बदलाव करना चाहते हैं तो यह एकदम सही समय है, क्योंकि दीपावली आने वाली है और आप मामूली बजट में भी अपने घर में कुछ फेरबदल करके उसका कायाकल्प कर सकते हैं। दीपावली का पर्व यानि उमंग और खुशियों भरा माहौल और इसे बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है हमारा घर। इस त्यौहार के लिए घर की सफाई , रंगरोगन और उसकी साज-सज्जा का भी खासा महत्व है। पूरे घर का इंटीरियर कराना तो हर एक के बस की बात नहीं है लेकिन परदे, वाल पेंट्स, डेकोरेटिव आइटम , फर्नीचर, कालीन, सिटिंग अरेंजमेंट आदि में बदलाव कर घर के इंटीरियर को दीपावली के लिए सजाया जा सकता है और इससे नएपन का अहसास भी होगा। इसके लिए बाजार में सभी सामान कई रेंज में उपलब्ध हैं। देअविवि के इंटीरियर डेकोरेशन विभाग की प्रमुख नूपुर नामजोशी के अनुसार घर में कई छोटे-छोटे बदलाव करके उसे आकर्षक व पहले से अलग बनाया जा सकता है। इसके लिए लोअर सिटिंग अरेजमेंट भी एक अच्छा विकल्प है। साथ ही लाइटिंग, पेंट्स, कारपेट, इंडोर प्लांट, कुशन्स, कर्टन, कैंडल, वुडन पार्टीशन आदि की मदद से घर को नए ढंग से संवारा जा सकता है।

इस तरह करें घर का कायाकल्प

बदलिए कलर कॉम्बीनेशन : अगर इस दीपावली पर घर में रंगरोगन कराने की सोच रहे हैं तो फिर से वही कलर कराने के बजाए पूरा कलर काम्बीनेशन चेंज कर दें। कमरे की सभी दीवारों में अब एक जैसा कलर कराने का ट्रेंड खत्म-सा हो गया है। अब तो इन्हें अलग -अलग शेड से रंगा जाता है। इससे कमरे में काफी डिफरेंट लुक आता है। अगर बजट कम है तो आप जरूरत के मुताबिक अपने ड्राइंग रूम की किसी एक दीवार को बाकी से अलग कंट्रास्ट कलर से पेंट कराकर नएपन का अहसास कर सकते हैं। घर के सभी कमरों में यह प्रयोग किया जा सकता है। अगर पूरा घर पेंट करा रहे हैं तो हर कमरे का रंग संयोजन अलग रखें। डार्क शेड्स को लाइट शेड्स में और लाइट की जगह पर डार्क शेड्स कराने से कमरा नया लगने लगेगा। आजकल ब्रांडेड कंपनियों के पेंट्स के इमल्सन की डिमांड ज्यादा है। इसकी कीमत 100 से 350 रुपए लीटर के बीच है। वहीं कंपनियों के डिस्टेंपर तो और भी कम कीमत 55 से 100 रुपए प्रति किलो में मिल जाएंगे। वहीं डिजायनर पेंट्स या ग्लाइटर कुछ महंगे हैं, इनकी कीमत कलर के अनुसार 660 से 900 रुपए के बीच है। पर्याप्त रोशनी पाने व कमरे को खूबसूरत बनाने के लिए कमरे की चार दीवारों में से एक दीवार को डार्क कलर से पेंट करवाना चाहिए। अगर कमरा बड़ा है तो दो दीवारों में यह प्रयोग किया जा सकता है। इन दिनों पेस्टल कलर काफी डिमांड में हैं। सनराइज कलर के साथ क्रीम या ऑफ व्हाइट, रेड के साथ लाइट पिंक कलर का कॉम्बीनेशन अच्छा लगता है ।

परदों से निखारिए इंटीरियर

आकर्षक परदे किसी भी घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं, अगर घर को पेंट कराने की जरूरत नहीं है तो सिर्फ परदे बदलकर और उसी के अनुरूप दीवान सेट बिछाकर घर को दीवाली के लिए सजाया जा सकता है।

आजकल कॉटन के अलावा नेट, सिल्क, टिश्यू, ब्रासो टाइगर, क्रश आदि के परदे पसंद किए जा रहे हैं। नेट के परदे सबसे लेटेस्ट हैं, इनकी रेंज 400 रुपए से शुरू है जबकि टिश्यू सिल्क की कीमत 300 रुपए से शुरू है। नेट के प्लेन परदे के साथ बीच में एक सिल्क या टिश्यू का परदा लगाकर खिड़की-दरवाजों को नया लुक दिया जा सकता है ।